https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

लाइम गठिया

के संस्करण 2016

3. रोज़मर्रा का जीवन

3.1 यह बीमारी बच्चे व् परिवार के जीवन पर क्या प्रभाव डालती है?

दर्द व् जोड़ न हिला पाने के कारण बच्चे खेल कूद में थोड़ी दिक्कत महसूस कर सकते है खास कर के वह पहले से तेज़ नहीं भाग पाते।अधिकतर लोगों में यह बीमारी मामूली सी होती है व् अधिकतर प्रभाव मामूली व् थोड़े समय रहने वाला होता है।

3.2 स्कूल के विषय में क्या होता है?

कुछ समय के लिए स्कूल में खेल कूद में बच्चा शायद हिस्सा न ले पाए,यह बच्चे के जोड़ों पर पडे प्रभाव से निश्चित किया जाता है व् यह निर्णय बच्चा स्वयं ले सकता है की उसकी कितनी क्षमता है।

3.3 खेल कूद के बारे में क्या?

बच्चा इस विषय में अपने आप निर्णय ले सकता है।यदि बच्चा किसी स्पोर्ट्स क्लब का हिस्सा है तब असली इच्छा व् सामर्थ्य अनुसार कुछ समय के लिए इन गतिविधियों को कम कर देना अधिक लाभदायक होता है।

3.4 खाने पीने के बारे में क्या करना चाहिए?

बच्चे को संतुलित आहार दिया जाना चाहिए जिसमे भरपूर प्रोटीन,कैल्शियम व् विटामिन्स हों,जो एक बढ़ते बच्चे के लिए आवश्यक है।खान पान का इस बीमारी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

3.5 क्या वातावरण का इस बीमारी पर कोई प्रभाव पड़ता है?

हालाँकि टिक्स को गरम व् आद्र मौसम की आवश्यकता होती है,एक बार संक्रमण जोड़ों तक

पहुच जाता है,उसके बाद इस बीमारी पर वातावरण का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता।

3.6 क्या बच्चे का टीकाकरण किया जा सकता है?

टीकाकरण में कोई रोकथाम नहीं है।सफल टीककरण पर इस बीमारी के द्वारा अथवा एंटीबायोटकि के द्वारा कोई प्रभाव नहीं पड़ता।इस बीमारी के अथवा उसके इलाज की वजह से टीकाकरण के बाद कोई अन्य दुष्प्रभाव नहीं देखे जाते।इस बीमारी के लिए अभी कोई टीकाकरण उपलब्ध नहीं है।

3.7 यौन जीवन,गर्भ धारण व् परिवार नियोजन पर कोई प्रभाव होता है?

इस बीमारी के कारण यौन जीवन व् गर्भधारण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।